उदासीन रहते हैं तथा कोताही बरतते हैं। उनके लिए केन्द्र सरकार की तरफ से स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किया जाना चाहिए कि उन्हें सभी किसानों, बटाई पर खेती करने वाले भूमिहीन किसानों को अनिवार्यतः किसान क्रेडिट कार्ड देना है, ताकि किसान निजी सूदखोरों के जाल में न फंसें।

महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख के माध्यम से सरकार से यह आग्रह करता हूँ कि देश में नये सिरे से कृषक परिवारों की गणना करायी जाए ताकि लाभार्थियों की सही जानकारी मिले। साथ ही मैं यह भी अनुरोध करता हूँ कि बैंकों को यह स्पष्ट निर्देश दिया जाए कि वे सभी किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड जारी करें।

श्री विजय पाल सिंह तोमर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री संजय सेठ (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Demand for survey by Archaelogical Department and removal of encroachments from the Chandi Devi temple in Meerut

श्रीमती कान्ता कर्दम (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति महोदय, मैं अत्यन्त लोक महत्व के विषय के अन्तर्गत आपके माध्यम से मेरठ महानगर में रामायण काल व महाभारत काल की विभिन्न प्राचीनतम व ऐतिहासिक धरोहरों में से एक धरोहर -जो मुगल काल में भी संघर्ष कर बची रही - माँ चंडी देवी मन्दिर परिसर की प्रतिष्ठा उसके अनुसार कराये जाने की ओर इस सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ।

महोदय, उक्त ऐतिहासिक मन्दिर का सम्बन्ध रामायण काल में पतिव्रता मंदोदरी के बाल्यकाल के पूजन स्थलों में से एक है। महाभारत काल में पाण्डवों के द्वारा हस्तिनापुर क्षेत्र का

एक भाग होने के कारण इसकी पवित्रता, ऐतिहासिकता व धार्मिक निष्ठा सम्पूर्ण समाज में तब से लेकर आज तक चली आ रही है। सरकारी रिकॉर्ड में भी चंडी देवी मन्दिर के नाम से यह धार्मिक आस्था का केन्द्र दर्ज है। अंग्रेज़ों द्वारा मेरठ के विषय में प्रकाशित गजट में इस धार्मिक स्थल पर होने वाले प्रतिवर्ष के विभिन्न उत्सवों व ऐतिहासिक मेला स्थल का विस्तृत उल्लेख है।

महोदय, इस धार्मिक स्थल की उपेक्षा लगातार समाज को प्रताड़ित करने के लिए की जाती रही है। इस मन्दिर परिसर के चारों ओर की भूमि को कुछ अतिक्रमणकारियों द्वारा कब्ज़ा लिया गया है।

अत: आपके माध्यम से सरकार से मेरी माँग है कि इस ऐतिहासिक स्थल की सुरक्षा हेतु सरकारी स्तर से पुरातत्व विभाग द्वारा एक सर्वे करा कर इसकी विस्तृत रिपोर्ट मँगायी जाए और तहसील मेरठ के समस्त पुराने राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर इसकी जाँच कराकर परिसर की बची सम्पत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा अतिक्रमणकारियों को वहाँ से हटा कर अन्य जगह स्थापित किया जाए।

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Demand to provide adequate banking facilities in tribal dominated KBK region of Odisha

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, the tribal people across the undivided KBK region of Odisha are facing economic hardship due to severe lack of access to banks. They are not able to take full benefits of DBT schemes like MGNREGS, *Mamata Yojana*, *Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana*, *Pradhan Mantri* Awas Yojana, etc. Despite an RBI order in 2014 to open branches in unbanked rural areas, no significant progress has happened in the KBK region. The example of the Thuamul Rampur block in Kalahandi illustrates this issue. This block comprises of 24 Gram Panchayats and has a population of 77,840 as per the 2011 census. There is only one commercial bank branch of State Bank of India to cater to this tribal population. The sole bank branch is unable to meet the demands of the people and has inadequate staff, infrastructure, and facilities. Such situations are common across the KBK region. May I request the Government of India to take appropriate action to solve this crisis and open at least one bank branch in every Gram Panchayat of the country?

MR. CHAIRMAN: In each village?